STANDARD POST, HYDERABAD

DATED: 27.06.2021

More than 36000 doses administered to eligible people under vaccination campaign

Anjali Goyal, GM, BLW, inspected the vaccination center

(Standard Post, Bureau)

Varanasi, June 26 : On June, 21, India embarked upon vaccination drive in full throttle under Prime Minister's vision of World's largest and Free Vaccination Campaign. Huge enthusiasm is observed amongst general public. Taking forward the goal of COVID 19 vaccination in Mission mode, BLW medical team has administered 1909 doses since then. Out of which 1457 doses given to general public which is more than 76% of total administereddoses and rest to the Railway beneficiaries. Today BLW General Manager Anjali Goyal made a surprise inspection of the vaccination center. During the inspection, necessary guidelines were given by the General Manager, in which to put up a display board to show the counters in the vaccination center and to take special care related to the facilities of the differently-abled and senior citizens, daily in the vaccination center. She laid special emphasis on deep cleaning, sanitization and cleanliness.

She interacted personally with the vaccinated beneficiaries of different age groups like Divyangjan, senior citizens & youths to know about the arrangements going on in the vaccination center.

BLW with the help of the district administration has so far administered more than 36000doses to eligible beneficiaries since vaccination campaign began. Out of which, more than 20000 doses administered to non-railway persons.

First dose of vaccination has been given to total 24967 eligible people including 9648 railways beneficiaries and 15319 non-railway beneficiaries, while the second dose has been given to total 11011 people including 6106 railways beneficiaries and 4905 non-railway beneficiaries.BLW has also vaccinated about 85% of its eligible staff to keep production going thereby supporting economy. Special care is taken to fully utilize all the doses of vaccines. Thus BLW achieved objective of Zero wastage of vaccine.

Being sensitive to the problems of the elderly and specially abled persons, vaccinators visit elderly and disabled persons at their conveyance to administer doses.

Specialist doctors are available at vaccination center to educate public about necessity of vaccination. All doubts are cleared on the spot itself. Vaccinated persons are monitored for Anaphylactic reaction under guidance of doctors. No case of Anaphylaxis observed.

Sufficient registration and verification counters have been set up to minimize waiting time. Separate counters for women and elderly have been set up. Special attention is paid to cleanliness and general hygiene at Vaccination Centre.

Crowd managementis carried out by Railway Protection Force, St. John's Ambulance Brigade and Civil Defense team ensuring full compliance of COVID protocols.

काशीवार्ता, वाराणसी

दिनांक: 27.06.2021

बरेका के 85 फीसदी कर्मियों का किया गया टीकाकरण

महाप्रबंधक ने टीकाकरण केंद्र का किया निरीक्षण

वाराणसी (काशीवार्ता)। विश्व के सबसे बड़े और मुफ्त टीकाकरण अभियान को मूर्त रूप प्रदान करने के लिए देश में गत 21 जून को कोविड टीकाकरण अभियान शुरू किया गया। जिसमें आम जनता में जबरदस्त उत्साह देखा जा रहा है। इसी क्रम में बरेका महाप्रबंधक अंजली गोयल ने टीकाकरण केंद्र का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान महाप्रबंधक द्वारा आवश्यबक दिशानिर्देश दिए गए जिसमें टीकाकरण केंद्र में काउन्टरों को दर्शानें हेतु डिस्प्ले बोर्ड लगाने एवं दिव्यांगजनों व वरिष्ठ नागरिकों का सुविधाओं से संबंधित विशेष ध्यान रखने, टीकाकरण केंद्र में प्रतिदिन डीप क्लीनिंग, सेनेटाइजेशन एवं साफ-सफाई करने का विशेष जोर दिया। उन्होने टीका लगा चुके विभिन्न आयुवर्गों के लाभार्थियों जैसे दिव्यांगजनों, वरिष्ठ नागरिकों, युवाओं से व्यक्तिगत रूप से बातचीत कर टीकाकरण केंद्र में चल रही व्यवस्थाओं का हाल जाना।

उन्होंने यह बताया कि टीकाकरण अभियान शुरू होने के बाद से बरेका ने जिला प्रशासन की मदद से पात्र लाभार्थियों को अब तक 36000 से अधिक खुराक दी, जिसमें 20000 से अधिक खुराक गैर-रेलवे व्यक्तियों को दी गई। अबतक 9648 रेलवे और 15319 गैर-रेलवे लाभार्थियों सहित कुल 24967 पात्र लोगों को टीकाकरण की पहली खुराक दी गई है, जबकि दूसरी खुराक 6106 रेलवे और 4905 गैर-रेलवे लाभार्थियों सहित कुल 11011 लोगों को दी गई है। 85% पात्र कर्मचारियों का टीकाकरण करवाकर बरेका ने न केवल उत्पादन को अबाध रूप से जारी रखा है वरन अर्थव्यवस्था को भी सहयोग कर रहा है।

स्वदेश प्रकाश, लखनऊ

दिनांक: 28.06.2021

बनारस रेल इंजन कारखाना में टीकाकरण अभियान के तहत पात्र लोगों को दी गई 36000 से अधिक खुराक, महाप्रबन्धक बरेका द्वारा टीकाकरण केंद्र का निरीक्षण

- पात्र लाभार्थियों को 36000 से अधिक खुराक दी गई।
- गैर–रेलवे व्यक्तियों को 20000 से अधिक खुराक दी गई।
- 21 जून से बैनर, पोस्टर और सोशल मीडिया के माध्यम से निःशुल्क टीकाकरण का विशेष जन जागरूकता अभियान ।
- विशेषज्ञ डॉक्टरों की देखरेख में टीकाकरण।
- टीकाकरण के बारे में जनता को जागरूक करना।
- बुजुर्गों और विशेष रूप से दिव्यांगों के लिए टीकाकरण की विशेष सुविधा।
- प्राप्त टीके की खुराक का पूर्ण उपयोग।
- कोविड प्रोटोकॉल का पूर्ण अनुपालन सुनिश्चित करना।
- बरेका के लगभग 85% रेलकर्मियों का टीकाकरण।

वाराणसी। प्रधानमंत्री के विश्व के सबसे बड़े और मुफ्त टीकाकरण अभियान के दृष्टिकोण को मूर्त रूप प्रदान करने के लिए देश में 21 जून को कोविड टीकाकरण अभियान शुरू किया गया । आम जनता में जबरदस्त उत्साह देखा जा रहा है। मिशन मोड में कोविड –19 टीकाकरण के लक्ष्य को आगे बढ़ाते हुए, बरेका चिकित्सा दल ने तब से 1909 खुराकें दी हैं। इसमें 1457 खुराक आम जनता को दी गई जो कुल दिए गए खुराक का 76% से अधिक है और शेष रेलवे लाभार्थियों को दिया गया। आज बरेका महाप्रबंधक अंजली गोयल ने टीकाकरण केंद्र का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान महाप्रबन्धक द्वारा आवश्यक दिशानिर्देश दिए गए जिसमें टीकाकरण केंद्र में काउन्टरों को दर्शाने हेतु डिस्प्ले बोर्ड लगाने एवं दिव्यांगजनों व वरिष्ठ नागरिकों का सुविधाओं से संबंधित विशेष ध्यान रखने, टीकाकरण केंद्र में प्रतिदिन डीप क्लीनिंग, सेनेटाइजेशन एवं साफ–सफाई करने का विशेष जोर दिया। उन्होने टीका लगा चुके विभिन्न आयुवर्गों के लाभार्थियों जैसे दिव्यांगजनों, वरिष्ठ नागरिकों, युवाओं से व्यक्तिगत रूप से बातचीत कर टीकाकरण केंद्र में चल रही व्यवस्थाओं का हाल जाना। उन्होने यह बताया कि टीकाकरण अभियान शुरू होने के बाद से बरेका ने जिला प्रशासन की मदद से पात्र लाभार्थियों को अब तक 36000 से अधिक खुराक दी, जिसमें 20000 से अधिक खुराक गैर–रेलवे व्यक्तियों को दी गई।

अबतक 9648 रेलवे और 15319 गैर–रेलवे लाभार्थियों सहित कुल 24967 पात्र लोगों को टीकाकरण की पहली खुराक दी गई है, जबकि दूसरी खुराक 6106 रेलवे और 4905 गैर–रेलवे लाभार्थियों सहित कुल 11011 लोगों को दी गई है। 85: पात्र कर्मचारियों का टीकाकरण करवाकर बरेका ने न केवल उत्पादन को अबाध रूप से जारी रखा है वरन अर्थव्यवस्था को भी सहयोग कर रहा है। टीकों की सभी खुराकों का पूरी तरह से उपयोग करने के लिए विशेष ध्यान रखते हुए बरेका ने एक भी टीका बर्बाद नहीं होने दिया। बुजुर्गों और दिव्यांगों की समस्याओं के प्रति संवेदनशील रहते हुए, टीकाकरण के लिए आने वाले बुजुर्ग और दिव्यांगों को टीका लगाने के लिए चिकित्साकर्मी उनके वाहन तक जाते हैं।टीकाकरण की आवश्यकता के बारे में जनता को जागरूक करने के लिए टीकाकरण केंद्र पर विशेषज्ञ चिकित्सक उपलब्ध हैं। मौके पर ही सभी शंकाओं का समाधान किया जाता है। टीकाकरण के पश्चात किसी भी प्रकार की संभावित समस्या की पहचान के लिए चिकित्सकों की देखरेख में टीका लगाए गए व्यक्तियों की निगरानी की जाती है। अभी तक इस प्रकार का कोई मामला नहीं देखा गया।प्रतीक्षा समय को कम करने के लिए पर्याप्त पंजीकरण और सत्यापन काउंटर स्थापित किए गए हैं। महिलाओं और बुजुर्गों के लिए अलग–अलग काउंटर बनाए गए हैं। टीकाकरण केंद्र में साफ–सफाई और सामान्य स्वच्छता पर विशेष ध्यान दिया जाता है। रेलवे सुरक्षा बल, सेंट जॉन्स एम्बुलेंस ब्रिगेड और नागरिक सुरक्षा टीम द्वारा भीड़ प्रबंधन किया जाता है, जिससे कोविड प्रोटोकॉल का पूर्ण अनुपालन सुनिश्चित होता है।

हिन्दुस्तान, वाराणसी

दिनांक: 28.06.2021

तकनीकी छात्रों की राह कठिन

हिन्दुस्तान
पड़ताल
बरेका

वाराणसी | कार्यालय संवाददाता

03
सौ सीटें आईटीआई के छात्रों के लिए होती हैं

74
नॉन आईटीआई छात्रों को मिलता है प्रशिक्षण

अन्य शिक्षण संस्थाओं की तरह महामारी ने बनारस रेल इंजन कारखाना में तकनीकी छात्रों की राह रोक दी है। यहां से हर साल 374 छात्रों को प्रशिक्षण देकर उद्यम, कल-कारखानों और रेलवे के कार्यों के लिए सक्षम बनाया जाता है। हालांकि इस बार जरूरी औपचारिकताएं भी नहीं हो पा रही हैं। शिक्षण संस्थानों में छूट दिये जाने के बाद यहां भी प्रशिक्षण के लिए इन छात्रों को बुलाया जाएगा। इसके बाद प्रशिक्षण शुरू होगा।

रेलवे के चुनिंदा प्रशिक्षण संस्थानों में एक बीएलडब्ल्यू में भी है। तकनीकी प्रशिक्षण संस्थान में हर साल आईटीआई के 300 और नॉन आईटीआई के 74 छात्रों को प्रशिक्षण दिया जाता है। पूर्व में इन प्रशिक्षणार्थियों को बरेका में नौकरी का मौका भी मिलता था। बाद में नियमों में बदलाव के बाद नौकरी तो नहीं मिलती लेकिन अन्य प्रशिक्षण पूरा करने के बाद अभ्यर्थी तकनीकी रूप से रेल कारखाना, रेलवे के विभिन्न कार्यों और अन्य कल-कारखाने में कार्य के योग्य हो जाते हैं।

इस साल कार्मिक विभाग के लिए आवेदन लिये गये थे। मेरिट लिस्ट भी बन गई लेकिन काउंसिलिंग की प्रक्रिया होनी थी, तब तक कोरोना का संकट आ गया। अब काउंसिलिंग कब होगी, इसे लेकर ऊहापोह है। बरेका प्रशासन के साथ ही अभ्यर्थियों के लिए भी इंतजार बढ़ता जा रहा है। साथ ही असमंजस की स्थिति इसलिए भी है कि अगर समय से प्रशिक्षण शुरू नहीं हुआ तो अगला सत्र आ जाएगा। फिर से नए आवेदन लिये जाएंगे। पीआरओ राजेश कुमार ने बताया कि कोरोना के कारण इस बार प्रशिक्षण नहीं शुरू हो सका है।